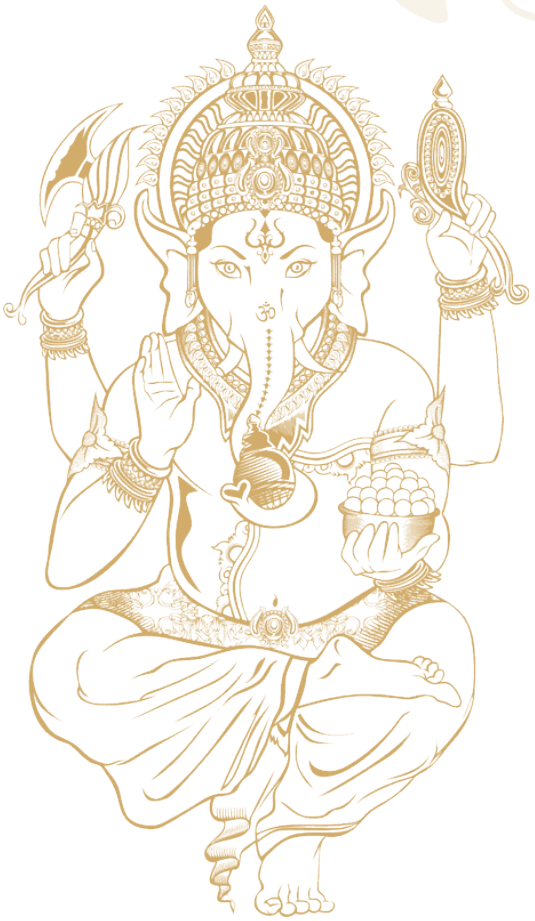

Mr.rishi kumar ray

30 Jun 2016

02:45 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121046906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/06/2016**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:45:00 घंटे**
इष्ट	54:42:43 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:05:16 घंटे
वेलान्तर	-00:03:31 घंटे
साम्पातिक काल	21:38:47 घंटे
सूर्योदय	04:51:54 घंटे
सूर्यास्त	18:34:26 घंटे
दिनमान	13:42:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:26:38 मिथुन
लग्न के अंश	13:17:19 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	13:17:19	372:32:26	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मिथु	14:26:38	00:57:13	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	सम राशि
चंद्र			मेष	12:37:39	14:25:41	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल	व		तुला	28:58:18	00:00:05	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	सम राशि
बुध		अ	मिथु	05:43:30	02:06:11	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	स्वराशि
गुरु			सिंह	22:50:16	00:07:59	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र		अ	मिथु	20:44:19	01:13:44	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	17:10:25	00:03:41	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	21:06:05	00:04:01	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	21:06:05	00:04:01	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	00:03:35	00:01:26	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	---
नेप	व		कुंभ	17:53:08	00:00:30	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	---
प्लूटो	व		धनु	22:19:11	00:01:28	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			मक	28:14:51	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:11

लग्न-चलित

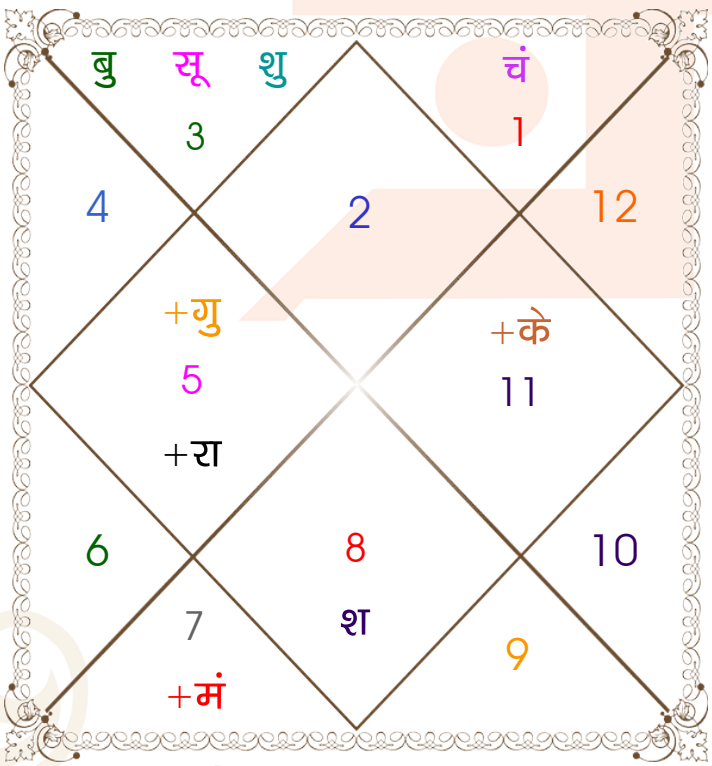

चन्द्र कुंडली

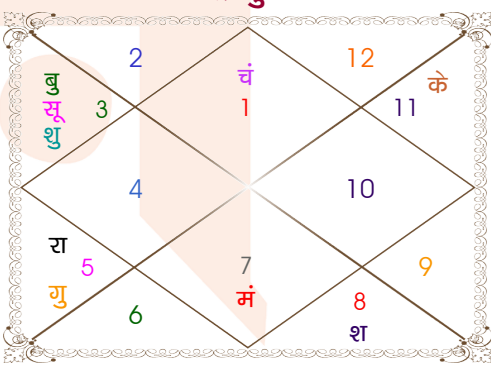

नवमांश कुंडली

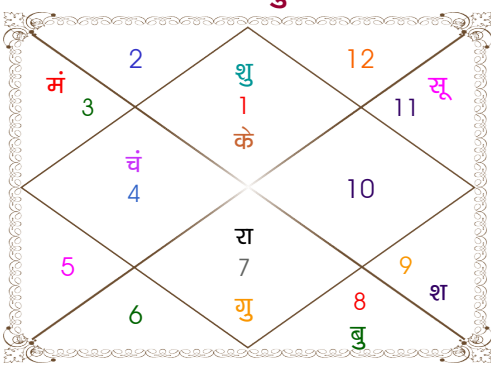

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 4 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/06/2016		12/11/2016		12/11/2036		12/11/2042		12/11/2052	
12/11/2016		12/11/2036		12/11/2042		12/11/2052		13/11/2059	
	00/00/0000	शुक्र	13/03/2020	सूर्य	02/03/2037	चंद्र	13/09/2043	मंगल	10/04/2053
	00/00/0000	सूर्य	14/03/2021	चंद्र	31/08/2037	मंगल	13/04/2044	राहु	29/04/2054
	00/00/0000	चंद्र	12/11/2022	मंगल	06/01/2038	राहु	13/10/2045	गुरु	05/04/2055
	00/00/0000	मंगल	13/01/2024	राहु	01/12/2038	गुरु	12/02/2047	शनि	13/05/2056
	00/00/0000	राहु	12/01/2027	गुरु	19/09/2039	शनि	12/09/2048	बुध	11/05/2057
	00/00/0000	गुरु	12/09/2029	शनि	31/08/2040	बुध	12/02/2050	केतु	07/10/2057
	00/00/0000	शनि	12/11/2032	बुध	07/07/2041	केतु	13/09/2050	शुक्र	07/12/2058
	30/06/2016	बुध	13/09/2035	केतु	12/11/2041	शुक्र	13/05/2052	सूर्य	14/04/2059
बुध	12/11/2016	केतु	12/11/2036	शुक्र	12/11/2042	सूर्य	12/11/2052	चंद्र	13/11/2059

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/11/2059		12/11/2077		12/11/2093		13/11/2112		13/11/2129	
12/11/2077		12/11/2093		13/11/2112		13/11/2129		01/07/2136	
राहु	26/07/2062	गुरु	31/12/2079	शनि	15/11/2096	बुध	12/04/2115	केतु	11/04/2130
गुरु	19/12/2064	शनि	14/07/2082	बुध	26/07/2099	केतु	08/04/2116	शुक्र	12/06/2131
शनि	25/10/2067	बुध	19/10/2084	केतु	04/09/2100	शुक्र	07/02/2119	सूर्य	17/10/2131
बुध	14/05/2070	केतु	25/09/2085	शुक्र	05/11/2103	सूर्य	14/12/2119	चंद्र	17/05/2132
केतु	01/06/2071	शुक्र	26/05/2088	सूर्य	17/10/2104	चंद्र	15/05/2121	मंगल	14/10/2132
शुक्र	01/06/2074	सूर्य	14/03/2089	चंद्र	18/05/2106	मंगल	12/05/2122	राहु	01/11/2133
सूर्य	26/04/2075	चंद्र	14/07/2090	मंगल	27/06/2107	राहु	28/11/2124	गुरु	08/10/2134
चंद्र	25/10/2076	मंगल	20/06/2091	राहु	03/05/2110	गुरु	06/03/2127	शनि	17/11/2135
मंगल	12/11/2077	राहु	12/11/2093	गुरु	13/11/2112	शनि	13/11/2129	बुध	01/07/2136

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 4 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के प्रथम चरण में होना आपके उज्जवल भविष्य का द्य ोतक है। जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ मेष राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण उदित था। परिणामस्वरूप आपका भविष्य पूर्णता युक्त एवं अन्य ग्रहों के सुप्रभाव से राजयोग का निर्माता है। अस्तु आपका जीवन स्तर बहुत उत्तम रहेगा। आपके जन्म का स्वरूप पूर्णतः आपके अनुकूल प्रतीत होता है। आप अपने जीवन का नेतृत्व कर, सुखद एवं सरलता पूर्वक धन संपत्ति से युक्त तथा आनंददायक पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी राशि का प्रतीक बैल है। जो आपमें ईश्वरीय प्रदत्त सदगुणों की समृद्धता प्रकट करता है। आप मृदुभाषी एवं सत् चित्त युक्त है, तथा आप बिना किसी के सहयोग से नहीं मात्र अपने प्रयास से उन्नति प्राप्त करेंगे। क्योंकि यह गुण आप में विद्यमान है। अन्य की तुलना में आप भक्ति भावना से युक्त हैं, तथा आप में गंभीर विषयों के संपादन का निर्देशन शक्ति परिलक्षित होता है।

बुनियादी तौर पर आप किसी के भी साथ व्यक्तिगत रूप से शांतिपूर्ण प्रेमसंबंध स्थापित करते हैं। आप दूसरों के वाद-विवाद से बच कर अथवा प्रेम संबंध में मध्यस्थता नही चाहते हैं। परंतु यदि कोई किसी भी अवसर पर आपको उत्तेजित करता है, प्रतिक्रिया स्वरूप आप उस पर हिंसात्मक प्रहार करते हैं। आपको पूर्ण रूपेण इस प्रवृत्ति को त्याग कर, अपने आवेग को नियंत्रित रखना चाहिए।

आपकी विस्तृत मित्र या मित्र मंडली के द्वारा उत्कृष्ट धन या भूमि का लाभांश की प्राप्ति सहयोगात्मक भावना से युक्त होकर अंतर आत्मा से सहायता आवश्यक हैं।

आप पूंजी निवेश, कठिन परिश्रम तथा सुनियोजित कार्यक्रम द्वारा अधिक धन संग्रह करेंगे। परंतु आप इस प्रकार के समतल आय से संतुष्ट नही होंगे। क्योंकि वास्तव में आपका संबंध क्षेत्र विस्तृत है। इसलिए आप उच्चशिखर तक धन संपत्ति संग्रह करना चाहते हैं।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि आपमें पूर्ण रूपेण धन लो लुप्तता विद्यमान है। प्रायः आपकी कृपणता पर ही आपका अस्तित्व निर्भर करता हैं क्योंकि आपकी मुट्ठी बंधी हुई अर्थात् हृदय अनुदार है।

शारीरिक रूप से आप मध्यम कद के साथ ही चौड़े कंधे एवं उन्नत मांसल स्वस्थ्य एवं प्रसन्नचित्त मुखाकृति के प्राणी होंगे। आपकी ललाट उन्नत, गर्दन झुकी हुई एवं आंखें चमकीली होगी। आपका पारिवारिक वातावरण अन्यों की द्वारा इर्ष्यायुक्त रहेगी। आपके पति-पत्नी का स्नेहमय प्रवृत्ति से आपका घरेलू जीवन प्रसन्नता पूर्ण एवं सगे संबंधियों के साथ प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण तथा सुव्यवस्थित संबंध रहेगा। आप अपने (घर) भवन की सजावट अच्छे-अच्छे साज शय्याओं से युक्त तथा शरीर के लिए आरामदायक वस्तुओं से सुसज्जित रखेंगे। वर्त्तमान काल रंग-बिरंगे चित्रों को पंक्तिबद्ध तरीके से बहुत मात्रा में सुव्यवस्थित ढंग से अपने घर में लगाते हैं।

इसके अतिरिक्त आप पूर्णरूपेण स्वस्थ्य शरीर धारण कर, जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगे। आयु वृद्धि के साथ-साथ आपको गले रोग, कफ एवं शीतप्रकोप, पैर के सूजन आदि रोगों की संभावना के प्रति सतर्क रहें।

आपके लिए व्यवसायिक कार्य हेतु जलीय वस्तुओं का व्यवसाय जैसे मोती, मछलीपालन, सिंघाड़े की खेती आइस क्रीम व्यवसाय, प्रॉप्रार्टी डीलरशिप, भवन संबंधी कार्य एवं ऑटोमोबाइल्स तथा पेट्रोल संबंधित कार्य अनुकूल रहेगा।

आपके लिए भाग्यशाली एवं प्रभावशाली अंक 2 एवं 8 अंक है। अंक 7 एवं 9 अंक भी आपके लिए आकर्षक अंक है। परंतु अंक 5 आपके लिए अनुकूल नही रहेगा। अस्तु इस तारीख से सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए रंग (श्वेत) सफेद गुलीबी, एव हरा रंग अनुकूल है। परंतु लाल रंग आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है।